

एकेडेमिक लीडर के रूप में भारत की शिथि हुई मजबूत



18 जून से 21 जून, 2025 तक लास ब्यास, यूएसए में एकेडेमिक काउंसिल फॉर विजेन्स रकूल्स एंड प्रोग्राम्स (एसीबीएसपी) कार्यार्थिक वैशिक सम्मेलन आयोजित हुआ। जिसमें दुनिया भर में एसीबीएसपी के 11 क्षेत्रों से ईकाइयों और संस्थानों ने सक्रिय रूपसे भाग लिया। सम्मेलन का विषय था क्लिजेस अक्रॉस बॉर्डर्स: कॉलेजों रोटिटिय स्टूटेंजीस फॉर एकेडेमिक एंड प्रोफेशनल सक्षेत्र यानि 'सीमाओं के पार पुल' ईकाइयों और व्यावसायिक सफलता के लिए सहयोगी रणनीतियों। यह वैशिक सम्मेलन व्यावसायिक शिक्षा में गुणवत्ता मानकों, वैशिक सहयोग और नवाचारों को आगे बढ़ाने पर संचाद का एक मंच बना। सम्मेलन में अकादमिक उत्कृष्टता-प्रत्यायन-महत्व मानक और पद्धतियों, लीडरशिप, प्रौद्योगिकी-संचालित परिवर्तन और व्यावसायिक शिक्षा में सतत प्रबलों पर मुख्य सत्र संबलित किए गए। इस प्रतिष्ठित फोरम में, प्रिस एल. एन. बेलिंगकर इस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट खेलजॉन्ट एंड रिसर्च मुबई (वीस्कूल) के समूह निदेशक प्रो. डॉ. उदय सालुखे को सर्वसम्मति करते हुए क्षेत्र 10 का अध्यक्ष चुना गया है, जिसमें भारत, कंबोडिया, वियतनाम, बर्मा, नेपाल, थाईलैंड, मले शिया, श्रीलंका, बांग्लादेश और सिंगापुर जैसे 16 देशों की सदस्य संस्थानें शामिल हैं। प्रो. सालुखे का चुनाव, वैशिक शिक्षा परिदृश्य में भारत के अकादमिक नेतृत्वको बढ़ाने और उत्कृष्ट प्रकल्प शिक्षा प्रदान करने की

उनकी दीर्घकालिक प्रतिक्रिया को दर्शाता है। यह भारत को अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा एवं प्रत्यायन सङ्केदार के रूपमें मजबूत बनाने की दिशा में चल रहे प्रयासों के अनुरूप भी है। अपने स्वीकृति भाषण में, प्रो. डॉ. सालुखे ने क्षेत्र 10 के संस्थानों की भागीदारी और उनके कार्य सहयोग को व्यापक रूपसे बढ़ाने की अपनी प्रतिक्रिया को दोहराया और क्षेत्र की पहलों का नेतृत्व करने के लिए भारत को दिए गए अवसर के लिए आभार प्रकट किया। सम्मेलन में, उन्होंने "एसीबीएसपी-एआयएमएस की रणनीतिक सहयोग, जो वैशिक व्यावसायिक शिक्षा को लोपांतरित कर रहा है" इस शीर्षक पर सत्र को संबोधित किया। उन्होंने प्राचीन भास्तीय ग्रंथों, जैसे महा उपनिषद में वर्णित एवं प्रधानमंत्री श्री मोदी की प्रश्नालित - बसुदैव कुटुंबकम की अध्यारणा पर विस्तार से बताया और समझाया कि इस अध्यारणा की सहायता से भारत कैसे एक विश्व गुरु बना सकता है और दुनिया को मानवपूजी प्रदान करने में एक आदर्श बनता है। अंतर्राष्ट्रीय निकायों के साथ सहयोग से भारत को अपना उचित स्थान अर्जित करने में मदद मिलेगी और महाराष्ट्र राज्य भी दुनिया की नेजर में आ सकेगा। इसके अलावा, प्रो. डॉ. उदय सालुखे ने महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री श्री कलणार्वीस के मजबूत राजिंग-एक अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा शहर का निर्माण कार्यक्रम को एक महत्वपूर्ण पहल बताया, जो अधिगम और नवाचार का एक वैशिक केंद्र बनने की भारत की आकांक्षा के

अनुरूप है। अपनी नई भूमिका में, प्रो. डॉ. सालुखे अंतर्राष्ट्रीय मानकों के साथ क्षेत्र की भागीदारी सुनिश्चित करने और दक्षिण एशिया के भीतर और बाहर गहन सहयोग को बढ़ावा देने में मदद करेंगे। प्रो. डॉ. उदय सालुखे अकादमिक उत्कृष्टता और नेतृत्व विकास के समर्वक होने के साथ-साथ उद्योग तथा शिक्षा नीति में अपने व्यापक अनुभव के साथ एसीबीएसपी - क्षेत्र 10 के अध्यक्ष का कार्यभार संभालते हुए अपने अनुभव से भारत, क्षेत्र 10 के देशों और उससे आगे के क्षेत्रों में प्रकल्प शिक्षा के भविष्य पर चर्चा को आकार देंगे। अपने मूल वर्तन की प्रतिक्रिया के साथ एसीबीएसपी वैशिक सम्मेलन 2025ने दुनिया भर में अपने सदस्य संस्थानों में निःसंतर सुधार, समावेशिता और अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिक्रिया की पुष्टि की। इस अवसर पर एसीबीएसपी क्षेत्र 10 के अध्यक्ष का पदभार संभालने के बाद, प्रोफेसर डॉ. उदय सालुखे ने कहा, "आज के गतिशील शिक्षा परिदृश्य को समझाने के लिए विकास की मानसिकता, संस्थानत अपलता और स्पष्ट दृष्टि की आवश्यकता है। एसीबीएसपी क्षेत्र 10 का आयोग होने के नाते, मैं नवाचार को बढ़ावा देने, गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने और हमारे क्षेत्र को वैशिक व्यावसायिक शिक्षा में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बनाने के लिए दक्षिण एशिया के अपने साथियों के साथकाम करने के लिए आतुर हूँ। मुझे आशा है कि संस्थानों के बीच सहयोग बनाकर हम व्यावसायिक शिक्षा में नवाचार, समावेशिता और साझा अधिगम को संभव बना सकेंगे।" एकेडेमिक लीडर के रूप में उदय सालुखे ने महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री श्री कलणार्वीस के मजबूत राजिंग-एक अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा शहर का नेतृत्व और पहलों का जिक करते हुए हाल ही में चलाए गए मुबई राजिंग-एक अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा शहर का निर्माण कार्यक्रम को एक महत्वपूर्ण पहल बताया, जो अधिगम और नवाचार का एक वैशिक केंद्र बनने की भारत की आकांक्षा के

लास वेगास येथील एसीबीएसपी (ACBSP) वार्षिक जागतिक परिषद २०२५ मध्ये भारताचे शैक्षणिक नेतृत्व अधिक मजबूत

मुंबई : अंकितेशन काउन्सिल प्रॉफेर

विडोनेस स्कूल्स अंड प्रेसाप्स (ACBSP) ची वार्षिक जागतिक परिषद ही अमेरिकील लास वेगास , येथे जून १८ जने ते २१, २०२५ येथे घेण्यात आली. यात जगतील ACBSP चा ११ विभागामध्ये नेतृत्व आणि संस्थांनी सक्रिय सहभाग घेतार, या परिषदीचे विषय " संरक्षितक नेतृत्वातील शैक्षणिक आणि व्यवसायिक योगावरीता एकत्रित अशी रणनीती" . (मिजेस अक्विसिशन और स्टॅटिजन गॉर्डस: कॉर्लेसोटो एवं स्टॅटिजन झॉर अंड एक्सेसिल सरवसेस) असा होता.

या जागतिक परिषदेचा निमित्ताने चर्चावित एक सम व्यवसिठ मिळाले, जिवे गणवता सुधारणामधील आवृत्तीता, जागतिक सहयोग आणि व्यवसायिक शिक्षणातील कल्याणात असे विषय हतातले गेले. परिषद शैक्षणिक उमेता, मानववाच, सहवा, गुणवत्ता आणि एष्ट्रीटी, नेतृत्व, तंत्रज्ञानार - आवृत्ती बदल आणि व्यवसायिक शिक्षणातील टिकाकु असा सरायी ही काही महत्वाची सत्र होती.

या प्रतिवित मध्यांती, एल.एन वेलिंग्कार इन्स्टिट्यूट अंड रिसर्च, मुंबई (वैस्कूल) येथे समूह संवादात अंतर्राष्ट्रीय प्राध्यायक डॉ. उदय सांगवां यांची एकनाने विभाग १० साठीचा आधिकृतीकरिता निवड करण्यात आली, यामध्ये १६ केल्या जाणाऱ्या परिश्रमावा देखील



देशातील सदस्य संस्थांचा सम्मानेश होतो जसे- भारत, कॉर्लेसोटो, विडोनेस, बर्मा, नेपाल, थायलंड, मलेशीया, श्रीलंका, बालादेश आणि रिंगापूर.

आवृत्तिक सांगवां याचा निवडीमुळे भारताचा शैक्षणिक नेतृत्वाचा जागतिक शैक्षणिक प्रणालीमधील विकास तर दिसून येतोब एण त्याही त्याची व्यवसायिक शिक्षणातील दीव्हिकलीन वाढिलाले देखील लक्षात येते. यात आंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक भागीदारी आणि मनव्यात उपक्रमामधील भारताची जाग भक्तम करण्यावरीता सातायने त्याची व्यवसायिकी करण्यात आली, यामध्ये १६ केल्या जाणाऱ्या परिश्रमावा देखील

सम्मानेश आहे.

आपल्या स्वीकृती भाषणामध्ये, प्राच्याचार्य डॉ. सांगवां यांनी विभाग १० नवीन संस्थांचा एकोपा आणि सहभाग वाढविण्याचा त्याचा वर्णन बद्दोवर भर दिल तरोसे भारतातील या विभागातील उपक्रमांचे नेतृत्व करण्याची जी सही मिळवी त्याबद्दल कृतज्ञता दरवर्ती. परिषदेवरीत्याचे सत्र - ACBSP चे धोणावलक घेण्या - जागतिक व्यवसायिक शिक्षणात बदल घडवून आली (The ACBSP-AIMS Strategic Collaboration Transforming Global Business Education) या

विषयावर होते. भारताचे प्राप्तप्रबल श्री. नंदद मोदी वारारां भारत अंतर्राष्ट्रीय वसुदेव कुकुरकम या विषयावर विस्तृत पढावीची जागतीना यांनी महा उपनिषदासारखा उल्लेख केला तरोसे यांमुळे भारत कशा पढावीने विषय सुरु कून जगज्ञाला मानवी भाडल सुरुप्रवाप पढावीचे प्रदान करू शकेल यावर देखील भर दिल. आंतरराष्ट्रीय संस्थांची होणाऱ्या हातमिळवणीमुळे भारतातील आपले योग्य ते स्थान मिळू शकेल जगभागातील आपल्या सदस्य संस्थांची भांतीचा देखील असे त्यांनी नमूद केले.

यापुढे बोलताना, प्राच्याचार्य डॉ.

केले आहेत.

या वेळेला आपले ACBSP चे विभाग १० साठीचे आधिकृत राष्ट्रीयकरिता प्रा. डॉ. उदय सांगवांचे म्हणावले, "विकासाचे घेणे, संस्थांची सक्रियता आणि संषेद दृष्टीकोने स्थानाचा आजवा गतीमान शैक्षणिक रेखांनकरिता आहे. ACBSP विभाग १० चा अध्यक्ष राष्ट्रीय संविधान आणि व्यवसायिक शिक्षणामध्ये आमतो विभागावे एक महत्वाचे योगदान असावे याकरिता काम करायचा आवश्यक आहे. कल्याणकोला प्राधान्य देत एकमेहाना सामाजून घेऊन व्यवसायिक शिक्षणातील सामाजिकवारीसाठी संस्थांना एकमेहक कडे यांनी वाचवाची गोठी क्रमात भाग दिसते आहे."

ACBSP बहल थोडकात : अंकितेशन काउन्सिल प्रॉफेर विडोनेस स्कूल्स अंड प्रेसाप्स (ACBSP) चे व्यवसायिक शिक्षणाचा एक जागतिक समुदाय अंतर्राष्ट्रीय असुन जागतिक मानवांना असाणाऱ्या संस्थामधील विषय तरावरील व्यवसाय शिक्षण उपक्रमावर लक्ष केंद्रित करतो. आपली ६० देशांमधील १२०००+ अधिक सदस्य विभागामध्ये कायदेत आहेत, तरे ३४०० घेण्याचे घेण्ये हे साताचांने सुधाराणा करून व्यवसायिक शिक्षणाची उत्तमता ओळखण्याचे आहे.

भारताचे शैक्षणिक आगेवानी मजबूत

लास वेगास, युअसेसेमां ध अन्युअल ग्लोबल कोन्फरन्स ओळ ध अकेडिटेशन काउन्सिल फोर बिझनेस स्कूल्स अंड प्रोग्राम्स मां दुनियाभरना असीबीअसपीना ११ प्रदेशमांथी शैक्षणिक आगेवानो अने संस्थांचोनो सक्रिय सहभाग जोवा मण्यो हतो. थीम "ब्रिज्जस एकोस बोर्डर्स: कोलेबोरेटिव स्ट्रेटेज्ज फोर अकेडेमिक अंड प्रोफेशनल सक्सेस हत, ज्यां वीस्कूलना श्रुप डायरेक्टर डो. उदय साणुंजे रिजन १०ना सर्वानुमते येव यूंटाया छे.

२०२५ मध्ये 'विडोनेस' नोंदवण्याची वार्षिक विडोनेस विडोनेस विडोनेस